525

GENERAL STUDIES (Test–21)

निर्धारित समय: तीन घंटे *Time allowed: Three Hours*	**GSM (M-I)-2421**	अधिकतम अंक: 250 *Maximum Marks: 250*

Name: Ravi Raaz **Mobile Number:** ____

Medium (English/Hindi): ____ **Reg. Number:** ____

Center & Date: 528/ मुखर्जी नगर **UPSC Roll No.** *(If allotted)*: 8007323

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **बीस** प्रश्न हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हैं।*

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH.***

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.		11.	
2.		12.	
3.		13.	
4.		14.	
5.		15.	
6.		16.	
7.		17.	
8.		18.	
9.		19.	
10.		20.	
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

drishti | दृष्टि The Vision

1. प्राथमिक शैलों की विशेषताओं का वर्णन कीजिये। ये कितने प्रकार के होते है? (150 शब्द) 10
Outline the features and classifications of primary rocks. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

प्राथमिक शैलों का आशय ऐसे शैलों से है जिनकी उत्पत्ति 'ज्वालामुखी उद्गार' के कारण निकले लावा के ठंडा होकर ठोस होने से होती हैं। यथा - ग्रेनाइट और बेसाल्ट चट्टान।

प्राथमिक शैलों की विशेषताएँ

- (i) लावा के घनीभूत होने से निर्मित।
- (ii) मोड़ और जोड़ की अपस्थिति।
- (iii) रवेदार चट्टान।
- (iv) आर्थिक संसाधनों से सम्पन्न।
- (v) जीवाश्म का अभाव।
- (vi) मूल चट्टाने व आरंभिक चट्टानों के नाम से प्रचलित।
- (vii) पर्पटी पर पाए जाने वाले 95% (भार के संदर्भ) प्राथमिक चट्टाने ही।
- (viii) लोकप्रिय रूप से 'आग्नेय चट्टान' के रूप में प्रचलित।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

* प्राथमिक चट्टानों के प्रकार

- अंतर्भेदी प्राथमिक चट्टान
  - पातालीय
  - धरातलीय
- बहिर्भेदी प्राथमिक चट्टान

अंतर्भेदी	बहिर्भेदी
(i) भू-पर्पटी के भीतरी भाग में लावा के घनीभूत होने से निर्मित।	(i) भू-पर्पटी के ऊपर लावा के घनीभूत होने से निर्मित।
(ii) 'शीतलीकरण' की प्रक्रिया धीमी (फलत: रवों का आकार अपेक्षाकृत बड़ा।	(ii) 'शीतलीकरण' की प्रक्रिया तीव्र (फलत - रवों का आकार छोटा)
(iii) मूलत: गहराई के आधार पर दो वर्गों में वर्गीकृत - पातालीय और धरातलीय	(iii) ज्वालामुखी पर्वत और पठार इसके उदाहरण हैं।
(iv) प्रकार - बैथोलिथ, लोपोलिथ, फैकोलिथ आदि इसके उदाहरण हैं।	

अपने विशिष्ट प्रकृति के कारण ही प्राथमिक चट्टानें पैरेंट रॉक के रूप में भी जाने जाते हैं जो अवसादी व कायांतरित चट्टानों के निर्माण के आधार होते हैं।

drishti | दृष्टि The Vision

2. भारत सरकार अधिनियम 1858 ने ईस्ट इंडिया कंपनी से ब्रिटिश क्राउन को सत्ता हस्तांतरित कर दी। हालाँकि भारत में प्रचलित शासन प्रणाली पर इसका कोई असर नहीं पड़ा और ये परिवर्तन कृत्रिम थे। समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिये।

(150 शब्द) 10

The Government of India Act 1858 transferred the power from the East India company to the British Crown. However, the system of government that prevailed in India was hardly affected. The changes made were artificial. Critically analyze.

(150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत शासन अधिनियम 1858 का मूल उद्देश्य भारत में प्रशासनिक सुधारों को प्रोत्साहित कर 1857 के महाविद्रोह के पुनरावृत्ति को रोकना था।

अधिनियम के मुख्य प्रावधान :-

- (i) भारत की सत्ता का हस्तानांतरण कंपनी के हाथों से क्राउन (संसद) को कर दिया गया।
- (ii) ब्रिटिश कैबिनेट में 'भारत सचिव की नियुक्ति' जो भारत के प्रशासन हेतु अंतिम रूप से जिम्मेदार।
- (iii) गवर्नर जनरल को 'वायसरॉय का पद' नाम दिया गया।
- (iv) क्रमिक रूप से भारतीयों को शासन में हिस्सेदारी देने का छलपूर्ण प्रयास।

1858 अधिनियम के प्रावधानों का प्रभाव :-

- (i) भारत पर ब्रिटिश और भी मजबूत हुआ।
- (ii) भारतीयों में राष्ट्रीय चेतना के जाग्रत होने से रोकने के लिए अपनाई गई 'फूट डालो राज करो' नीति के कारण भारत में सम्प्रदायवाद को प्रोत्साहन।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(iii) 'महारानी विक्टोरिया' की उद्घोषणा (1 नवंबर 1858) का महज प्रतीकात्मक महत्व। व्यवहार में प्रत्यक्ष विस्तार के स्थान पर अविस्तार की नीति जारी रही।

(iv) भारत सचिव के पद के सृजन के बावजूद भौगोलिक दूरी तथा सीमित प्रौद्योगिकी विस्तार के कारण वास्तविक सत्ता गवर्नर जनरल व वायसराय के पास ही। (यथा लार्ड मिंटो का विचार मार्ले से अधिक प्रभावी)।

यद्यपि 1858 के कुछ सकारात्मक प्रभाव भी देखने को मिले-

प्रभाव
- (i) भारतीय समाज और संस्कृति पर अनावश्यक हस्तक्षेप में कमी।
- (ii) स्वशासन के विचारों का विकास।
- (iii) भारतीयों को संतुष्ट करने की ब्रिटिश नीति की शुरुआत।

ऊपर से दिखने वाले उपरोक्त सकारात्मक प्रभाव के बावजूद 1858 का अधिनियम अपने मूल स्वरूप में पुरानी पद्धति को आगे बढ़ाने का सोचा समझा प्रयास माना जा सकता है।

3. चक्रवात प्रवण क्षेत्रों के लिये IMD द्वारा जारी किये गए रंग कोडित मौसम चेतावनियों के महत्त्व पर प्रकाश डालिये।

(150 शब्द) 10

Highlight the significance of colour coded weather warnings for cyclone prone areas given by IMD.

(150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

चक्रवातों का आशय ऐसे वायु प्रणाली से है जिसके केन्द्र में निम्न वायुदाब होता है और पवनों का अभिसरण बाहर से केन्द्र की ओर होता है।

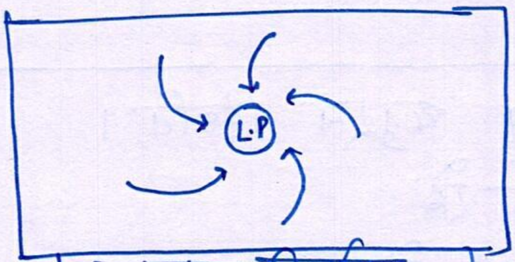

चक्रवात स्थिति

पश्चिमी विक्षोभ को यदि छोड़ दें तो भारत मुख्यत: उष्णकटिबंधीय चक्रवातों के ही विभीषिका से ग्रस्त रहता है।

कारण

→ ① भारत की भौगोलिक अवस्थिति (8°4'–37°6' उत्तरी अक्षांश)।

→ ⑪ 7516 km लंबी तटरेखा (5700 km तटरेखा उष्णकटिबंधीय चक्रवातों के प्रति अत्यंत संवेदनशील।

(iii) भू-खण्ड की अनुपस्थिति तथा छोटे आकार के कारण बंगाल की खाड़ी में बनने वाले 58% चक्रवात भारत के पूर्वी तट से टकराते हैं जबकि अरब सागर में 25% चक्रवात ही पश्चिमी तट से टकराते हैं।

IMD द्वारा जारी किए संबंधित रंग कोडित मौसम चेतावनी –

- हरा → सहज व अनुकूल स्थिति।
- पीला → सतर्क रहें
- नारंगी → तैयार रहें
- लाल → खतरनाक फलत: कार्यवाही करें

महत्व
- (i) राहत बचाओ तैयारी हेतु उपयोगी।
- (ii) चक्रवात प्रबंधन में सहायक
- (iii) जान और माल के हानि में कमी में उपयोगी।
- (iv) अनुच्छेद-21 के अनुसार (गरिमापूर्ण जीवन के अधिकार की रक्षा में मददगार।

अतः IMD का उपरोक्त चक्रवात रंग कोडित मौसम प्रणाली चक्रवात के दुष्प्रभाव के रोकथाम में अत्यंत उपयोगी होता है।

4. वैदिक काल ने साहित्य, धर्म और दर्शन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है। चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

The Vedic period has contributed immensely to various fields such as literature, religion and philosophy. Discuss. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वैदिक काल (1500-600 ई.पू.)

भारतीय संस्कृति व सभ्यता के विकास की दृष्टि से एक विभाजक रेखा प्रतीत होता है जिसनें साहित्य, धर्म और दर्शन जैसे क्षेत्रों में बहुआयामी योगदान दिया।

(1) साहित्य में योगदान

- (i) किसी भी धर्म के प्रथम साहित्य के रूप में ऋग्वेद की रचना इसी काल में हुई (1500-1000 ई.पू.)
- (ii) वैदिक साहित्य इसी काल में रचे गए।
- (1) वैदिक साहित्य

ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद, अथर्ववेद

(2) ब्राह्मण ग्रंथ - वेदों को समझने में सहायक।

(3) आरण्यक - वनों में रचित।

(4) उपनिषद - दार्शनिक पक्ष से संबंधित।

(2) धर्म में योगदान

- (i) हिंदू धर्म मूलतः वैदिक धर्म या ब्राह्मण धर्म से विउत्पन्न।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

- (ii) अग्नि, सूर्य, विष्णु, इन्द्र जैसे देवताओं की पूजा इसी काल से प्रचलित।
- (iii) आज भी ऋग्वेद में वर्णित पुरुषसूक्त तथा रुद्रसूक्त क्रमशः विष्णु और शिव के पूजा के मुख्य साधन।
- (iv) आज भी हिंदुओं में प्रचलित कर्मकांड व अनुष्ठान वैदिक रीति से की जाती है।

3). **दर्शन मे योगदान**

- (i) ऋग्वेद को दुनिया प्राचीनतम दार्शनिक ग्रंथ भी माना जाता है।
- (ii) 'ऋत' की परिकल्पना वैदिक आर्यों की सबसे बड़ी दार्शनिक उड़ान मानी जाती है।
- (iii) उपनिषद मूलतः दर्शन से ही संबंधित (अहम् ब्रह्मास्मी:)।

इस तरह से यह कहना समीचीन होगा कि वैदिक काल ने साहित्य, धर्म और दर्शन के क्षेत्र में बहुआयामी योगदान देकर भारतीय संस्कृति को समृद्ध बनाने में अतुलनीय भूमिका निभाई।

5. 'दक्कन ट्रैप' पर्याप्त प्राकृतिक संसाधन क्षमता धारित करता है। स्पष्ट कीजिये। (150 शब्द) 10

The 'Deccan Trap' holds substantial natural resource potential. Elucidate. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

ज्वालामुखी उद्गार से निर्मित दक्कन के पठार पर अपरदन, अपक्षय व निक्षेपण के कारकों से बने ऊपरी मृदायुक्त सतह को दक्कन ट्रैप के नाम से जाना जाता है

→ दक्कन ट्रैप में पाए जाने वाले प्राकृतिक संसाधन व महत्व —

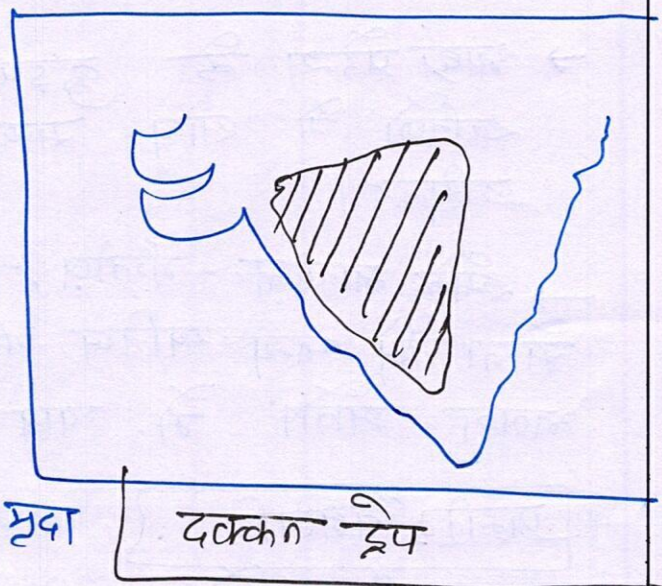

① काली मृदा

→ कपास की खेती हेतु उपयुक्त। इसी कारण से इसे 'काली कपासी' मृदा भी कहा जाता है।

② ~~दक्कन~~ ट्रैप की मृदा - गन्ना, मोटे अनाज, दलहनी, तिलहनी फसलों की खेती के लिए भी उपयुक्त मानी जाती है।

महाराष्ट्र, कर्नाटक आदि इसी कारण से तिलहन, दलहन उत्पादों में अग्रणी राज्य हैं।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(iii) चट्टानों की प्रचुरता → 'ग्रेनाइट व बेसाल्ट' जैसे आग्नेय चट्टान से लेकर विविध प्रकार की कायांतरित चट्टान यथा- सर्पेंटाइन, नीस आदि भी इस क्षेत्र में उपलब्ध।

(iv) खनिज संसाधन - कर्नाटक के धारवाड़ क्षेत्र में लौह अयस्क की उपलब्धता

→ आंध्र प्रदेश के कुड़प्पा क्षेत्र अन्य आर्थिक खनिजों के साथ-साथ हीरे के खनन हेतु प्रसिद्ध।

→ इसके अतिरिक्त - मैंगनीज़, चूना पत्थर, अभ्रक, कोयला, सोना जैसे अन्य खनिज भी दक्कन ट्रैप के अलग-अलग भागों में पाये जाते हैं।

प्राकृतिक वनस्पति .

→ यह क्षेत्र अपने अद्वितीय प्राकृतिक वनस्पति की सघनता व विविधता के लिए जाना जाता है।

इन्हीं कारणों से दक्कन ट्रैप के क्षेत्र को भारतीय के आर्थिक विकास की आधार स्थलीय माना जाता है।

drishti | दृष्टि The Vision

6. ब्रिटिश आर्थिक नीतियों ने भारतीय पारंपरिक उद्योगों और कृषि को किस प्रकार नुकसान पहुँचाया? (150 शब्द) 10

Explain how British economic policies hurt the Indian traditional industries and agriculture. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

औपनिवेशिक शासन के दौरान ब्रिटिश द्वारा अपनाई गई आर्थिक नीतियों का मूल उद्देश्य भारतीय अर्थव्यवस्था को ब्रिटिश अर्थव्यवस्था के हित में पोषक अर्थव्यवस्था के रूप में विकसित करना था जिसकी छवि व्याप्ति ब्रिटिश आर्थिक नीति के कारण भारतीय उद्योगों व कृषि को होने वाले नुकसान से भी होती है।

ब्रिटिश आर्थिक नीति का पारंपरिक भारतीय उद्योगों पर नुकसान दुष्प्रभाव के कारण -

- (i) औपनिवेशिक संबंधों पर आधारित एकतरफा 'मुक्त व्यापार की नीति'।
- (ii) रेलवे के किराये का भेदभावपूर्ण निर्धारण।
- (iii) भारतीय शासक वर्ग का पतन फलतः विलासितापूर्ण औद्योगिक सामग्रियों की मांग में कमी।
- (iv) भारतीयों को कच्चे माल के निर्यात हेतु विवश करने की नीति।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

2 कृषि पर दुष्प्रभाव के कारण

- (i) भू-राजस्व की उच्च दर।
- (ii) भूमि सुधार का अभाव।
- (iii) भूमि को विक्रययोग बनाया जाना।
- (iv) वाणिज्यीकरण (कृषि का)।

प्रभाव

- (i) वि-औद्योगिकीकरण को प्रोत्साहन।
- (ii) सत्रहवीं सदी में वैश्विक G.D.P में भारत का 25% योगदान जबकि 19 वीं सदी के अंत तक यह 2% रह गया।
- (iii) कृषि अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव।
- (iv) भू-जोतों का विखंडीकरण।
- (v) स्वतंत्रता के बाद भी कृषि तथा औद्योगिक विकास एक जटिल प्रक्रिया बन गई।

उद्योगों तथा कृषि पर ब्रिटिश आर्थिक नीति के दुष्प्रभाव को समझा जा सकता है कि कई औद्योगिक नीतियों, मेक-इन-इंडिया और PLI तथा भूमि सुधारों के प्रयासों के बावजूद भारत भी G.D.P में पिछड़े हुए हैं।

drishti | दृष्टि The Vision

7. विवाह की पारंपरिक पद्धति पर 'समलैंगिक विवाह' के प्रभावों का अन्वेषण कीजिये। (150 शब्द) 10

Explore the impact of 'same-sex marriage' on the traditional institution of marriage. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वैसे तो सर्वोच्च न्यायलय ने नाज फाउन्डेशन बनाम भारत संघवाद (2018) में IPC की धारा-377 के एक हिस्से को निरस्त करते हुए 'समलैंगिकता' को गैर-अपराधिक घोषित कर दिया किंतु लंबी सुनवाई के बाद भी सर्वोच्च न्यायलय ने 'समलैंगिक विवाह' को कानूनी मान्यता देने से इंकार कर दिया।

* विवाह के पारंपरिक पद्धति पर समलैंगिक विवाह के प्रभाव

- (i) विवाह संस्था के ध्वस्त होने की आशंका।
- (ii) विवाह के एक मुख्य घटक 'संतान उत्पत्ति प्रक्रिया' का बाधित होना।
- (iii) समलैंगिक दम्पत्तियों के द्वारा विवाह में निहित भावनात्मक व शारीरिक सुखों से दूर रहने की आशंका।
- (iv) संतान के पालन-पोषण में समस्याओं की संभावना।
- (v) भारतीय मूल्यों तथा विषमलैंगी भारतीय समाज के दुष्प्रभावित होने की आशंका।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

इन दुष्प्रभावों के बावजूद समलैंगिक विवाह की अनुमति संविधान के अनुच्छेद-14 तथा 21 के अनुरूप प्रतीत होता है।

समर्थन में तर्क

- (i) मूल भारतीय परंपरा में भी समलैंगिकता की अभिव्यक्ति होती है यथा - भगवान अयप्पा के हरि व हर के संयोग से उत्पन्न होना।
- (ii) संतान उत्पत्ति विवाह का एकमात्र उद्देश्य नहीं (WHO के अनुसार विकसित देशों में 17.8% और विकासशील देशों में 16.5% दम्पत्ति निसंतानता से ग्रस्त।
- (iii) विवाह महज विपरीत लिंग के संयोग नहीं अपितु ~~विभिन्न~~ दो आत्माओं व परिवारों के संयोग भी होता है।

ऐसे में रूढ़िवादी अवधारणाओं से प्रभावित होए बिना सर्वोच्च न्यायलय के टिप्पणी के अनुसार समलैंगिक विवाह को कानूनी दर्जा देने उपयुक्त होगा। विवाह न तो सार्वभौमिक और न ही स्थायी अवधारणा होता है।

drishti | दृष्टि The Vision

8. भारत पवन ऊर्जा की पर्याप्त क्षमता रखता है, लेकिन इसका स्थानिक वितरण सीमित है। वर्णन कीजिये। (150 शब्द) 10

India has substantial wind energy potential, but its spatial distribution is limited. Explain. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अध्ययनों के अनुसार भारत में पवन ऊर्जा के कुल संभावना 50,000 MW तक की है जिसमें से करीब 1/4 का समुचित दोहन व उपयोग किया जा सकता है।

पवन ऊर्जा के उत्पादन हेतु उपयुक्त दशाएं :-

दशाएं
- (i) हवा की अपेक्षाकृत तीव्र गति।
- (ii) उच्चावच अथवा अन्य अवरोधों का अभाव।
- (iii) विस्तृत तटीय रेखा।
- (iv) पवनों की क्षैतिज गति।
- (v) उपयुक्त प्रौद्योगिकी विकास।

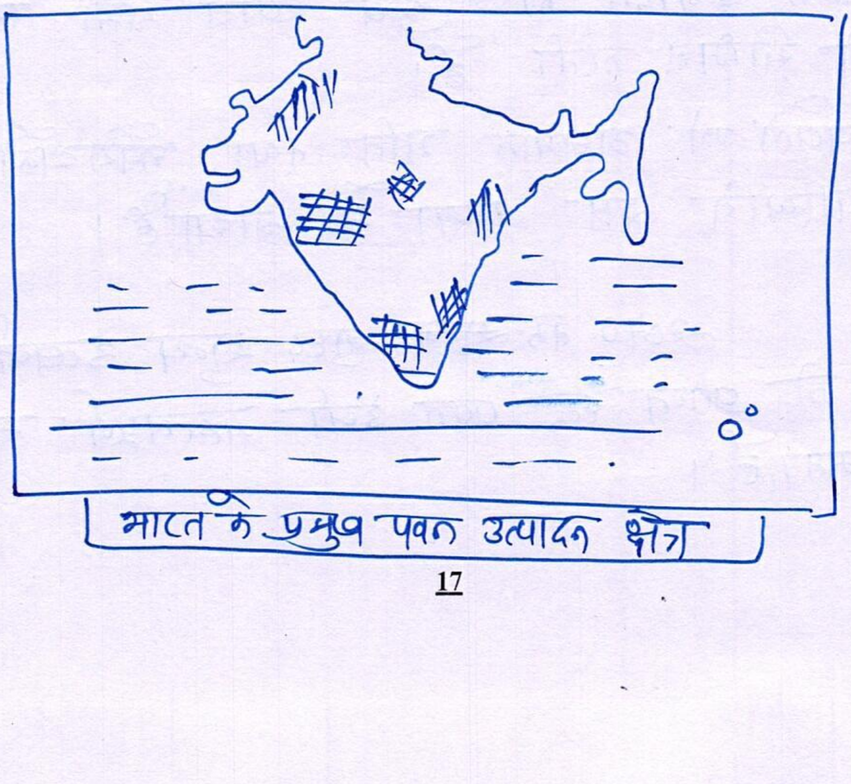

भारत के प्रमुख पवन उत्पादन क्षेत्र

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उपरोक्त विशिष्ट परिस्थितियों के कारण ही भारत में पवन ऊर्जा का उत्पादन इसकी कुल क्षमता की तुलना में काफी कम 44000 MW ही है।

इसका मुख्य कारण इसका सीमित स्थानिक वितरण माना जाता है

कुछ संबंधित तथ्य

- (i) भारत में पवन ऊर्जा मुख्यतः तटीय राज्यों तक ही सीमित है।
- (ii) अधिक आरंभिक पूंजी लागत के कारण उड़ीसा, बंगाल जैसे राज्य क्षमता होने के बावजूद पवन ऊर्जा के उत्पादन में आरंभिक स्तर पर ही है।
- (iii) उच्च स्तरीय प्रौद्योगिकी आवश्यकता भी पवन ऊर्जा उत्पादन को कुछ खास क्षेत्रों तक ही सीमित करती है।
- (iv) पवनों की असमान गति तथा अवरोधकों की उपस्थिति इस दिशा में बाधा है।

2070 तक ~~शुन्य~~ शुद्ध शून्य उत्सर्जन लक्ष्य की प्राप्ति हेतु पवन ऊर्जा महत्वपूर्ण स्तंभ हो सकता है।

drishti | दृष्टि The Vision

9. गृह से कार्य (वर्क फ़्रॉम होम) से पारिवारिक परिदृश्य पर पड़ने वाले सकारात्मक और नकारात्मक प्रभावों का परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

Explore the positive and negative impacts of work-from-home on family dynamics. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के विकास के कारण शुरू हुई और कोरोना वैश्विक महामारी के कारण प्रचारित - प्रसारित हुई (वर्क - फ्रॉम होम) की संस्कृति आज भारत समेत दुनियाभर में काम करने का एक स्वीकृत मॉडल बन चुका है।

परिवार पर पड़ने वाला वर्क फ्रॉम होम का सकारात्मक प्रभाव

(i) परिवार के सदस्यों (माता - पिता और जीवन साथी व बच्चो के साथ समय बिताने का अधिक अवसर मिल गया है।

(ii) घर से ही काम करने के कारण मूलत: आर्थिक गतिविधियों में ही संलग्न लोग अब घरेलू कामकाज में भी हाथ बटाने लगे।

(iii) वर्क - फ्रॉम होम की कार्य संस्कृति ने परिवार के सदस्यों के बीच ताल - मेल को बेहतर करने में अभूतपूर्व भूमिका निभाई है।

⑤ चूंकि, इससे बच्चों को अब माता और पिता दोनों का समय मिल पाता है फलतः बच्चों के व्यक्तित्व के बेहतर विकास को प्रोत्साहन मिल सकता है

नकारात्मक प्रभाव

प्रभाव

① अध्ययनों के अनुसार घरेलू हिंसा की घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है।

② अधिक समय तक साथ रहने के कारण तलाक की घटना में वृद्धि।

③ वर्क फ्रॉम होम के कारण अब घर तथा कार्यालय के बीच अंतर निरंतर कम।

④ इससे निजी व पेशेवर जीवन के बीच का अंतर निरंतर संकुचित हो रहा है।

यद्यपि वर्क फ्रॉम होम के पारिवारिक परिदृश्य पर सकारात्मक और नकारात्मक दोनों ही प्रभाव देखने को मिलते हैं अतः इस संदर्भ में अध्ययन हेतु एक आयोग का गठन तथा महिलाओं को वर्क फ्रॉम होम हेतु प्रोत्साहित करना बेहतर होगा।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

10. गुप्त काल में कालिदास के साहित्यिक महत्त्व और योगदान पर चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Discuss the literary significance and contributions of Kalidasa of the Gupta period. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

कालिदास चंद्रगुप्त विक्रमादित्य के 'नौ रत्नों' में एक होने के साथ ही एक महान विद्वान और साहित्यकार भी थे।

कालिदास की महत्वपूर्ण साहित्य रचनाएं

- मालविकाग्निमित्रम्
- कुमारसम्भवम्
- रघुवंशम्
- अभिज्ञानशाकुंतलम्
- मेघदूतम्

❋ कालिदास के साहित्य का महत्व व योगदान -

महत्व

① साहित्यिक स्रोतों के रूप में महत्वपूर्ण →
- अभिज्ञानशाकुंतलम् से अवगुंठन (पर्दा प्रथा) तथा उज्जैन के मंदिर में देवदासी प्रथा की सूचना।

② कार्टोग्राफी में योगदान - मेघदूतम में भारतीय मानचित्रण की स्पष्ट अभिव्यक्ति।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(iii) कालिदास की रचनाओं से शुंग काल, मौर्य काल समेत तथा गुप्त काल समेत विभिन्न राजवंशों व उस काल में घटित घटनाओं की जानकारी मिलती है।

योगदान

योगदान

1. क्लासिकल साहित्य के रूप में कालिदास की रचनाएँ आज भी अनुकरणीय हैं।
2. इनकी रचनाओं ने व्याकरण व ज्योतिशास्त्र के विकास में अमूल्य योगदान दिया है।
3. कालिदास की रचनाओं से मिलने वाली ऐतिहासिक, राजनीतिक, भौगोलिक, सामाजिक-आर्थिक, सांस्कृतिक जानकारियाँ भारत के निर्माण में सहायक है।
4. कालिदास के अधिकांश साहित्य सुखांत हैं और इस रूप में यह शेक्सपियर के प्रसिद्ध नाटकों से भिन्न है।

कालिदास के साहित्य के उपरोक्त महत्व योगदान ने गुप्त काल को स्वर्ण युग के रूप में प्रतिष्ठित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

drishti | दृष्टि The Vision

11. महासागरीय धाराओं को निर्धारित करने वाले कारकों एवं वैश्विक मत्स्य उद्योग पर इसके प्रभावों का परीक्षण कीजिये।

(250 शब्द) 15

Examine the factors that determine ocean currents and their influence on the global fishing industry.

(250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

महासागरीय धारा वस्तुतः महासागरों में बहने वाली नदियों के समान होती है जो विभिन्न बलों के परिणाम स्वरूप एक निश्चित दिशा में गतिमान होती है।

महासागरीय धाराओं को निर्धारित करने वाले कारक

- प्राथमिक → धाराओं को गति देने वाले बल।
- द्वितीयक

(क) पवनें

सतह पर चलने वाली पवनें घर्षण बल के कारण महासागरीय जल को एक निश्चित दिशा में गतिशील करती हैं।

(ख) पृथ्वी का घूर्णन

पृथ्वी पश्चिम से पूर्व की ओर अपने अक्ष पर घूर्णन करती है ऐसे में जब जल की गति स्थल की गति का साथ नहीं दे पाती है, तो जल पश्चिम से पूर्व की ओर प्रवाहित होने लगता है।

drishti
दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

पृथ्वी का गुरुत्वाकर्षण

चूँकि, ध्रुवों पर विषुवत रेखा की तुलना में अधिक गुरुत्वाकर्षण बल होता है फलतः जल धाराओं की गति प्रायः उत्तर की ओर (ध्रुवों की ओर) होती है।

कोरियोलिस बल

यह जलधाराओं को उत्तरी गोलार्द्ध में दाएं ओर और दक्षिणी गोलार्ध में बाएं ओर विक्षेपित करता है

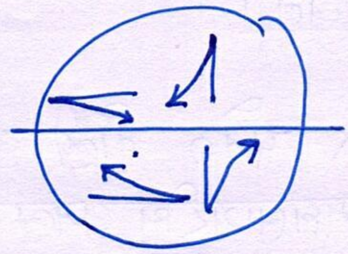

द्वितीयक कारक → महासागरीय धाराओं को दिशा देने वाले कारक -

1. **लवणता में अंतर** → जल की गति कम लवणीय क्षेत्र से अधिक लवणीय क्षेत्र की ओर।
2. **तापांतर** ⇒ गर्म होने के कारण फैलने की प्रवृत्ति के कारण गर्म जल की गति ठंडे जल की ओर।

drishti | दृष्टि The Vision

③ दाबांतर ⇒ धारा की गति उच्च दाब से निम्न दाब की ओर।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वैश्विक मत्स्य उद्योग पर महासागरीय धाराओं का प्रभाव

- (i) उष्ण तथा शीतल धाराओं के मेल से प्लैंकटन की उत्पत्ति हेतु अनुकूल दशाएं ~~मिलती~~ बनाती हैं।
- (ii) प्लैंकटन की उपलब्धता मत्स्य उद्योग के लिए अनुकूल परिस्थिति उत्पन्न करती है।
- (iii) उत्तरी अटलांटिक महासागर में गल्फ स्ट्रीम और लेब्राडोर का क्रमशः ठंडी व गर्म धाराओं के मिलन बिंदु पर मत्स्य उद्योग श्रेष्ठ विकास हुआ है (न्यू फाउंडलैंड)

मत्स्य उद्योग क्षेत्र

4. अपवेलिंग की प्रक्रिया भी प्लैंकटन और मत्स्य उत्पादन हेतु अनुकूल बनाती है।

चीन, जापान, कनाडा, नॉर्वे आदि में मत्स्य उत्पादन के विकास में जलधाराओं का महत्व माना जाता है।

12. कुमाऊँ, गढ़वाल, हिमाचल और कश्मीर की पहाड़ियों में वास्तुकला की अद्वितीय शैलियाँ किस प्रकार विकसित हुई हैं? उदाहरणों के साथ वर्णन कीजिये। (250 शब्द) 15

How did unique forms of architecture develop in the hills of Kumaon, Garhwal, Himachal and Kashmir? Enumerate with examples. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वास्तुकला किसी भी क्षेत्र की भौगोलिक विशेषता व जलवायविक प्रभाव के अनुरूप होती है।

वास्तुकला को प्रभावित करने वाले कारक

कारक →
- स्थलाकृति।
- चट्टानों की उपलब्धता।
- जलवायु।
- प्रौद्योगिकीय विकास।
- आर्थिक सक्षमता।
- राजनीतिक महत्वकांक्षा।।

(*) उपरोक्त पहाड़ी क्षेत्रों में विकसित हुए वास्तुकला की विशेषताएँ –

① स्थानीय स्थलाकृति के प्रभाव में स्थानीय चट्टानों का स्थापत्य का उपयोग।

drishti | दृष्टि The Vision

(ii) स्थापत्यों के छत का ढालुआ ढालयुक्त होना।

(iii) भव्य तथा नक्काशी से युक्त बहुमंजीला संरचना

वास्तुकला के उपरोक्त विशेषताओं का प्रभावित करने वाले कारक -

(i) ढालयुक्त स्थलाकृति।

(ii) शीतजलवायु फलतः बर्फबारी)

(iii) क्रमिक विकास के कारण स्थापत्यों में सुगढ़ता।

कुमाऊँ, गढ़वाल, हिमाचल और कश्मीर

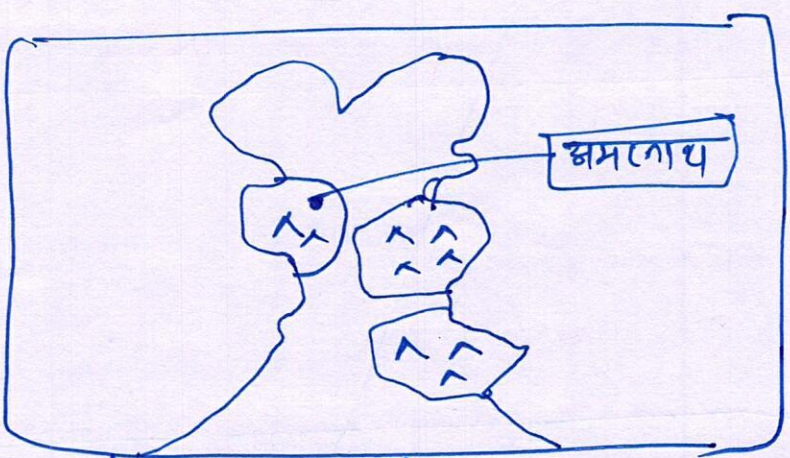

के स्थापत्य अपने अद्वितीय शिल्प कला के कारण आज भी पर्यटकों के बीच आकर्षण का केंद्र हैं।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

13. भारत में दलीय-राजनीतिक पंथनिरपेक्षता ने संवैधानिक राजनीतिक पंथनिरपेक्षता के सिद्धांतों को किस तरह से कमज़ोर किया है? (250 शब्द) 15

In what ways has party-political secularism undermined the principles of constitutional political secularism in India? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत में पंथनिरपेक्षता से संबंधित दो मूलभूत परंपराएं देखने को मिलती हैं

(क) राजनीतिक ~~धर्म~~निरपेक्षता → राजनीतिक दलों द्वारा तुष्टीकरण व ध्रुवीकरण की नीति को मानते हुए धर्मनिरपेक्षता का अनुपालन करना

(ख) संवैधानिक पंथनिरपेक्षता → प्रस्तावना तथा अनुच्छेद 25-28 व अन्य अनुच्छेदों में उल्लेखित उपबंधों के अनुरूप धर्म तथा राज्य के बीच समतामूलक व्यवहार के सिद्धांत का अनुपालन।

भारत में प्रचलित ~~धर्म~~ संवैधानिक पंथनिरपेक्षता की विशेषताएँ -

- ① राज्य के द्वारा सभी धर्मों के साथ समान व्यवहार किया जाना।
- ① नकारात्मक पंथनिरपेक्षता के स्थान पे भारत में पंथनिरपेक्षता की सकारात्मक अवधारणा।

drishti | दृष्टि The Vision

(iii) सभी व्यक्ति को अंतःकरण की स्वतंत्रता तथा धर्म के पालन, आचरण व प्रचार की स्वतंत्रता (अनुच्छेद -25)।

(iv) सदाचार, लोकस्वास्थ्य, लोक व्यवस्था तथा संविधान के भाग -3 के उपबंधों के आधार पर कुछ युक्तियुक्त सीमाएं।

(v) धार्मिक अल्पसंख्यकों के लिए अनुच्छेद-29-30 में कुछ विशेष उपबंध।

दलीय-राजनीतिक पंथनिरपेक्षता का संवैधानिक पंथनिरपेक्षता का दुष्प्रभाव-

(i) राजनीतिक दलों द्वारा तुष्टीकरण की राजनीति के कारण एक धर्म विशेष के मूल्य पर दूसरे धर्म को विकास को प्रोत्साहन।

(ii) धार्मिक ध्रुवीकरण की नीति से समाज में पंथनिरपेक्षता के मूल्य का कमजोर होना।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

(iii) संवैधानिक पंथनिरपेक्षता पर दलीय-राजनीतिक पंथनिरपेक्षता को प्राथमिकता दिया जाना।

(iv) ~~लोकप्रति~~ लोकप्रति अधिनियम (1951) के प्रावधानों के बावजूद धर्म को मतदाताओं के व्यवहार के निर्धारण का आधार बनाया जाना।

संविधान में पंथनिरपेक्षता के वृहद उपबंध के बावजूद दलीय-राजनीतिक पंथनिरपेक्षता भारत में हावी है मुस्लिम महिला अधिकार अधिनियम 1985 इसका एक प्रतिनिधि उदाहरण है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

14. रबड़ उत्पादन के वैश्विक वितरण पर चर्चा कीजिये और रबड़ उत्पादक देशों को प्रभावित करने वाले प्रमुख पर्यावरणीय मुद्दों पर प्रकाश डालिये। (250 शब्द) 15

Discuss the global distribution of rubber production and highlight the major environmental issues affecting rubber producing countries. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

रबड़ आज के विश्व की एक महत्वपूर्ण कृषि तथा वाणिज्यिक उत्पाद है जिसका व्यापक उपयोग औद्योगिक व दैनंदिन गतिविधियों में देखने को मिलता है।

रबड़ उत्पादन हेतु अनुकूल दशाएँ -

① तापमान - 22-27°C

② वर्षण - 250 cm या अधिक

③ मृदा - जलोढ़ व लैटेराइट

④ जलवायु - विषुवतीय रेखीय

उपरोक्त दशाओं के अनुरूप ही ब्राजील, बोलिविया, पराग्वे (द. अमेरिका में), कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, आइवरी कोस्ट (अफ्रीका), दक्षिण पूर्वी एशिया व भारत (एशिया) आदि विश्व के ~~उपरोक्त~~ प्रमुख रबड़ उत्पादक क्षेत्र है

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

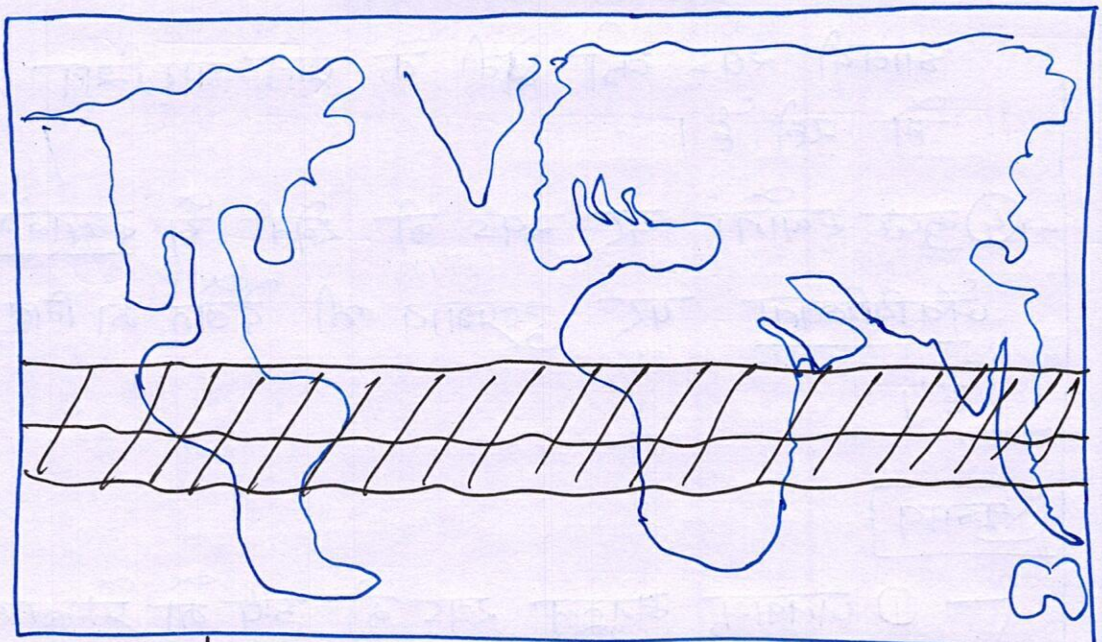

रबड़ उत्पादक क्षेत्र (विश्व में)

रबड़ उत्पादन देशों को प्रभावित करने वाले पर्यावरणीय मुद्दे -

→ ① वन विनाश → रबड़ की खेती हेतु बड़े पैमाने पर वनों की कटाई की जा रही है।

→ ② पर्यावरण मृदा क्षरण → अधिक उत्पादन हेतु अतिसिंचाई तथा अधिक रासायनिक उर्वरकों का उपयोग मृदा क्षरण का प्रमुख कारण है।

→ ③ फसल प्रारूप में परिवर्तन → अधिक मूल्य तथा लाभजनित कृषि उत्पाद होने के कारण आज रबड़ उत्पादक देशों में कृषकों की एक बड़ी

drishti | दृष्टि The Vision

आबादी रबड़ की खेती के प्रति आकर्षित हो रहे हैं।

(4) कुछ स्थानों पर रबड़ की खेती से स्थानीय जैवविविधता पर दुष्प्रभाव भी देखने को मिला है।

सुझाव

- (i) जलवायु अनुकूल रबड़ की कृषि को प्रोत्साहन
- (ii) उच्चगुणवत्ता वाले बीजों के विकास की दिशा में प्रयास।
- (iii) कृषकों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाए
- (iv) क्षेत्र में नित्र, शोध, व नवाचारों को प्रोत्साहित किया जाए।
- (v) वैश्विक तापन के दुष्प्रभावों से निपटने का प्रयास किया जाए।

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक राष्ट्र है ऐसे में कृषकों के आय को दुगना करने में रबड़ की खेती महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। अत: दुनियाभर में रबड़ की खेती के क्षेत्र में सामूहिक प्रयास किये जाने चाहिए।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

15. "भारत में वास्तविक महिला सशक्तीकरण को साकार करने के लिये कल्याण-आधारित दृष्टिकोण से प्रतिनिधि-आधारित दृष्टिकोण की ओर परिवर्तन आवश्यक है।" संसद में हाल ही में पारित महिला आरक्षण अधिनियम के संदर्भ में इस कथन का मूल्यांकन कीजिये। (250 शब्द) 15

"Transitioning from a welfare-based approach to an agent-based approach is essential for realizing true women empowerment in India." Evaluate this statement in the context of the recently passed Women's Reservation Act in Parliament. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

~~आर~~ WEF के वैश्विक लैंगिक अंतराल सूचकांक 2024 में भारत का 129 वाँ स्थान महिला सशक्तीकरण में भारत की दयनीय दशा को प्रतिबिंबित करता है

अभी तक भारत में महिला सशक्तीकरण हेतु कल्याण आधारित दृष्टिकोण को अपनाया गया किंतु इसके सीमित प्रभाव ही देखने को मिलते हैं

महिला सशक्तीकरण हेतु प्रमुख कल्याणकारी योजनाएं

- (i) बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ।
- (ii) सुकन्या समृद्धि योजना।।
- (iii) PM मातृत्व वंदन योजना।
- (iv) मातृत्व लाभ अधिनियम - 2016
- (v) लाड़ली लक्ष्मी योजना (मध्यप्रदेश)
- (vi) कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम) अधिनियम 2013।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

यद्यपि महिला सशक्तीकरण हेतु अपनाए गए उपरोक्त कल्याणकारी दृष्टिकोण के सीमित प्रभाव के कारण विगत कुछ समयों में प्रतिनिधित्व आधारित दृष्टिकोण का विकास हुआ है। संसद द्वारा हाल ही में पारित 106 वाँ संविधान संशोधन अधिनियम-2023 और नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 उल्लेखनीय है-

संभावित लाभ

- (i) इससे विधायिका में महिलाओं का प्रतिनिधित्व (14% से बढ़कर) न्यूनतम 33% हो सकेगा।
- (ii) यह महिलाओं के राजनीतिक सशक्तीकरण का मार्ग प्रशस्त करेगा।
- (iii) राजनीतिक दृष्टिकोण से सशक्त महिला ही वास्तव में महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तीकरण को प्रोत्साहित कर सकती है क्योंकि विधायिकाओं की

drishti | दृष्टि The Vision

महिलाओं की भागीदारी में वृद्धि होगी फलत: महिलाओं के दृष्टिकोण की भी अभिव्यक्ति संसदीय चर्चा व विधियों में हो सकेगा।

(iv) इससे महिलाओं के अनुरूप विधि निर्माण होने से महिलाओं का समग्र सशक्तीकरण संभव हो सकेगा।

यद्यपि उपरोक्त विधेयक महिला सशक्तीकरण को प्रोत्साहित करने में सहायक तो हो सकता है किंतु एकमात्र उपाय नहीं फिर इसका समुचित कार्यान्वयन तथा महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक भागीदारी में वृद्धि तथा पुरुषों के सोच में परिवर्तन भी इसके लिए अपेक्षित है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

16. जलडमरूमध्य और स्थलडमरूमध्य (इस्थमस) वैश्विक व्यापार को कैसे प्रभावित करते हैं वर्णन कीजिये। (250 शब्द) 15

Explain how straits and isthmuses influence global trade. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

जलडमरूमध्य का आशय ऐसी सकड़ी जलराशि से है ~~जिस~~ जो दो बड़े जल निकायो को आपस में जोड़ता है पाक जलडमरूमध्य जबकि स्थलजलडमरूमध्य दो बड़े स्थलों को जोड़ता है।

विश्व व्यापार पर इसके प्रभाव

- ① कार्गोशिप के आसान परिवहन में सहायक।
- (ii) लॉजिस्टिक लागत में कमी।
- (iii) परिवहन अवधी में कमी।
- (iv) कारोबारी सुगमता को प्रोत्साहन।
- (v) महत्वपूर्ण औद्योगिक केंद्र को उपस्थिति

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

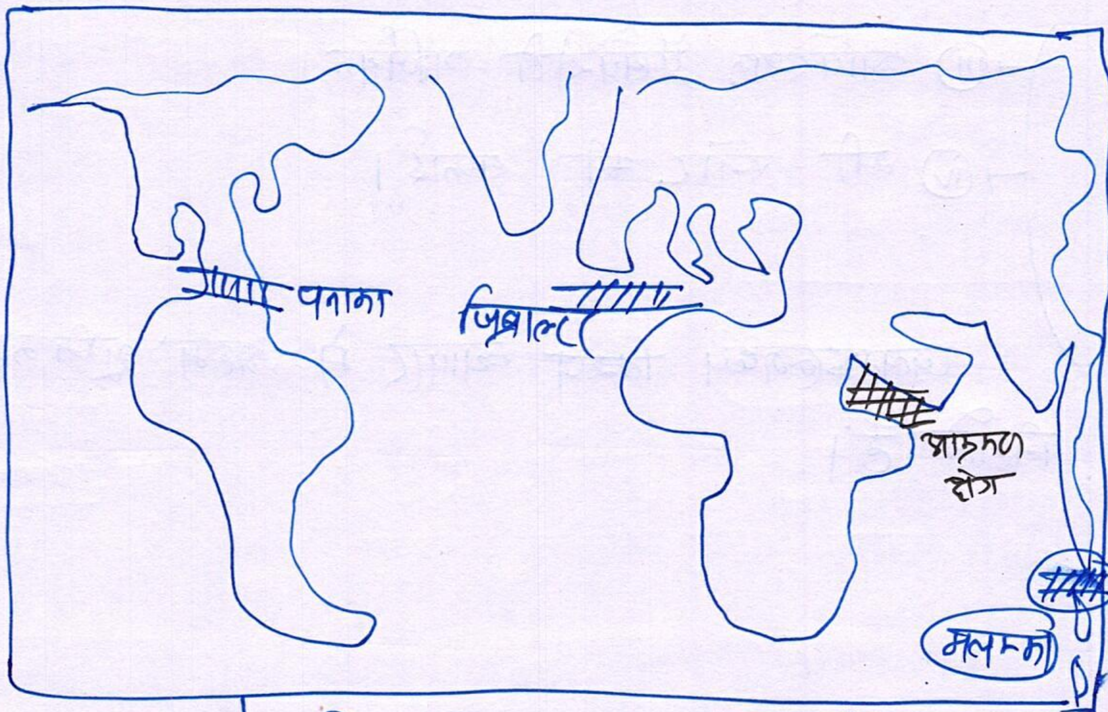

विश्व की जलसंधियाँ

विद्यमान समस्याएँ

→ (i) सुरक्षा संबंधित चुनौति (हूती विद्रोह)।

→ (ii) व्यापारिक गतिविधियों में वृद्धि से जलीय जीव पर दुष्प्रभाव।

→ (iii) स्थानीय अर्थव्यवस्था को सीमित लाभ।

उठाए गए कदम

→ ① UNCLOS।

→ ② SDG-लक्ष्य 8-9, 12, 13, 14

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(iii) ऑपरेशन प्रॉसपेरीटी गार्जियन।

(iv) सी-स्पॉट की सफाई।

जलसंधियाँ विश्व व्यापार में अहम भूमिका निभाते हैं।

17. दक्षिण-पूर्व एशिया की धार्मिक अभिव्यक्ति और स्थापत्य परिदृश्य को आकार देने में भारतीय संस्कृति की भूमिका पर चर्चा कीजिये और इस संदर्भ में क्षेत्र के विभिन्न देशों से उदाहरण भी दीजिये। (250 शब्द) 15

Discuss the role of Indian culture in shaping the religious expression and architectural landscape of Southeast Asia. Provide examples from different countries in the region. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

दक्षिण-पूर्व एशिया प्राचीन काल से ही भारत के साथ गहराई से जुड़ा रहा है दक्षिण पूर्वी एशिया के वर्तमान परिदृश्य (धार्मिक) के बावजूद वहाँ भारतीय धर्म और कला के अवशेषों की अभिव्यक्ति इसकी पुष्टि करता है।

भारत के प्रभाव के कारण.

- (i) प्राचीन काल में गहरा व्यापारिक जुड़ाव।
- (ii) ब्राह्मण तथा बौद्ध भिक्षुओं के द्वारा बड़े स्तर पर दक्षिण-पूर्व एशिया की यात्रा।
- (iii) चोल साम्राज्य के द्वारा शैलेन्द्र वंश के क्षेत्र मे अपना प्रसार करना।
- (iv) भौगोलिक दृष्टि से भारत तथा दक्षिण पूर्व एशिया का निकट होना।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

विभिन्न दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के धार्मिक अभिव्यक्ति तथा स्थापत्य परिदृश्य पर भारतीय संस्कृति का प्रभाव –

① इण्डोनेशिया → आज भी इण्डोनेशिया में 'रामलीला' तथा 'रामाख्यान', मुद्राओं पर भारतीय देवता गणेश का अंकन जैसे भारतीय संस्कृति के तत्व मौजूद हैं। इसके अतिरिक्त 'बोरोबुदुर का मंदिर' का मंदिर भी भारतीय संस्कृति से प्रेरित है।

② थाइलैंड → थाई शासक के द्वारा 'रामा' की उपाधि दिया जाना तथा स्वयं को भगवान राम का वंशज बताना, भारतीय संस्कृति की पुष्टि करता है।

③ कम्बोडिया → कम्बोडिया में ही विश्व का सबसे बड़ा हिंदु मंदिर 'अंकुरवाट' का मंदिर मौजूद है

④ म्यांमार, थाइलैंड, लाओस, कम्बोडिया जैसे अन्य कई दक्षिण पूर्व एशियाई देशों में बौद्ध धर्म

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

का प्रसार भी भारत से ही हुआ है।

(5) आज भी दक्षिणपूर्व एशिया के विभिन्न देशों में हिंदु धर्म सम्मुनत स्थिति में देखने को मिलता है।

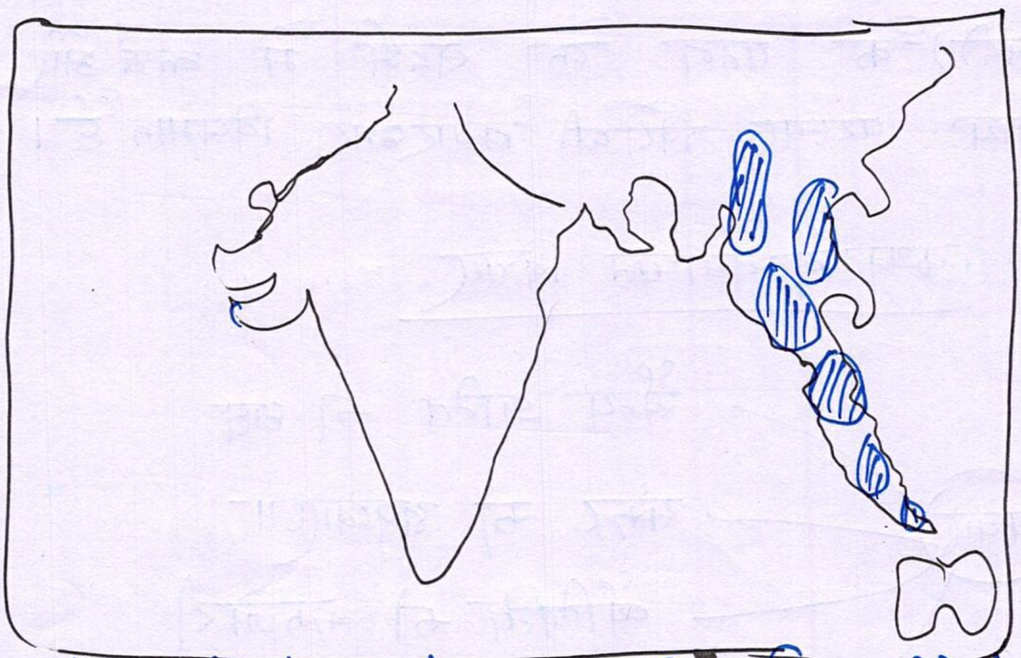

भारतीय संस्कृति से प्रभावित दक्षिणपूर्व एशियाई देश

भारतीय संस्कृति का यही प्रभाव न केवल दक्षिण-पूर्व एशिया में भारत के सॉफ्टपॉवर का विस्तार करता है अपितु भारत की स्वीकृति को भी सुनिश्चित करता है।

18. "जितना अधिक मैं इस अवधि का अध्ययन करता हूँ, उतना ही अधिक मैं आश्वस्त होता हूँ कि सैन्य अक्षमता साम्राज्य के अंतिम पतन का मुख्य कारण था, यद्यपि यह एकमात्र कारण नहीं था" मुगल साम्राज्य के पतन के संदर्भ में इस कथन पर चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

"The more I study the period, the more I am convinced that military inefficiency was the principal, if not the sole cause of empire's final collapse." Discuss the statement with reference to the fall of Mughal Empire. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

मुगल साम्राज्य (16वीं – 19वीं सदी) के पतन के संदर्भ में कई और प्रायः परस्पर विरोधी विचारधारा विद्यमान हैं।

कथन से संबंधित विचार

विचार →
- सैन्य शक्ति का ह्रास
- संकट की अवधारणा
- व्यक्तित्व की कमजोरी
- स्थानीय समृद्धि की अवधारणा

(1) सैन्य शक्ति के पतन की अवधारणा — इस विचार के समर्थकों का मत है कि औरंगजेब के काल में मुगलों के सैन्य दक्षता में जो गिरावट शुरू हुई व उत्तर मुगल शासकों के काल तक क्रमशः कम होती गई।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

थी अंततः मुगल साम्राज्य के पतन का कारण सिद्ध हुआ।

② अन्य विचार

① संकट की अवधारणा-

(क) सतीशचंद्र ने अपनी पुस्तक 'मनसबदारी एवं क्रायसिस एंड पार्टी एंड पॉलिटिक्स एट मुगल कोर्ट' में मनसबदारी संकट को मुगल साम्राज्य के पतन का मुख्य कारण माना है।

(ख) इरफान हबीब ने अपनी शोध पुस्तक में ~~ग्रामीण~~ 'कृषि संकट' को मुगल साम्राज्य का संकट का कारण माना है।

③ ~~वैयक्तित्व की कमजोरी~~ - इस विचारधारा के समर्थकों (सर यदुनाथ सरकार) का मानना है कि मुगल साम्राज्य के पतन के लिए औरंगजेब के व्यक्तित्व में निहित कमजोरियां (धार्मिक व राजपूत नीति) और उसके अयोग्य उत्तराधिकारी मुगलों के पतन के लिए जिम्मेदार मानते हैं।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

④ क्षेत्रीय समृद्धि का अवधारणा - मुज्जफर आलम

जैसे सवाल्र्क विद्वानों के अनुसार नगदी फसलों के उत्पादन व चाँदी के आगमन से क्षेत्रीय स्तर पर आय समृद्धि के कारण स्थानीय जागीरदारों, सुबेदारों और ज़मींदारों में आपस में गठबंधन कर केन्द्रीय सत्ता के विरुद्ध निजी लाभ के विरुद्ध कर दिया और यही मुगल साम्राज्य के पतन का कारण बना।

यद्यपि मुगल साम्राज्य विशाल साम्राज्य था जिसके पतन के लिए कोई एक कारण जिम्मेदार नहीं रहा होगा बल्कि यह विविध कारणों का सम्मिलित परिणाम था।

19. क्षोभमंडल एक महत्त्वपूर्ण वायुमंडलीय परत है, जो मौसम प्रक्रियाओं को नियंत्रित करती है। व्याख्या कीजिये। (250 शब्द) 15

The troposphere is a critical atmospheric layer that governs weather processes. Explain. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

20. भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस, भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के लिये समर्थन जुटाने वाले पहले अखिल भारतीय संगठनों में से एक थी। हालाँकि इसकी स्थापना से पहले भी देश के विभिन्न हिस्सों में विभिन्न राष्ट्रवादी संगठन मौजूद थे। भारतीय राष्ट्रवादी आंदोलन में उनके योगदान पर प्रकाश डालिये। (250 शब्द) 15

Indian National Congress was one of the first pan-India organizations to mobilize support for Indian national movement. However, even before its founding, various nationalist bodies did exist in different parts of the country. Highlight their contributions towards Indian Nationalist movement. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

drishti | दृष्टि The Vision

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

drishti | दृष्टि The Vision

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)